

प्रेषक,

एस0एस0 वल्लिया,
उपसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 27 मार्च, 2012

विषय:- पुनर्विनियोग की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1878/ब0पत्रा0/2011-12 दिनांक 13 फरवरी, 2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ₹31.76 लाख (इक्कीस लाख छियत्तर हजार) मात्र की धनराशि संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से, आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि, मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय तथा व्यय हेतु वचनबद्ध मदों को ही प्राथमिकता दी जायेगी। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। पूर्व जारी शासनादेशों एवं अन्य निर्धारित नियमों के दृष्टिगत कहीं कोई विसंगति की स्थिति संज्ञान में आती है, तो तत्काल प्रकरण पर शासन का मार्गदर्शन प्राप्त किया जाये।

3- धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय। धनराशि का आहरण/व्यय मासिक व्यय की सारिणी बनाकर यथाआवश्यकता नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। कालातीत देयकों के सम्बन्ध में भुगतान करने से पूर्व नियमानुसार उक्त के वास्तविक देयता की पुष्टि अवश्य कर ली जायेगी। अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में कदापि व्यय नहीं किया जायेगा। न ही अतिरिक्त देयता उत्पन्न की जायेगी।

4- उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

5- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। सामग्री कय के संदर्भ में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के विहित प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

.....(2)

6- उक्त धनराशि का आहरण/व्यय भारत सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 2204-खेलकूद तथा युवा सेवाएँ-00-104-खेलकूद-08-नेहरू पर्वतारोहण संस्थान को अनुदान-43 वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान मानक मव के आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र के कॉलम-1 में इंगित बचतों से वहन किया जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 97(NP)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 26 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय,

(एस0एस0 वल्लिया)
उपसचिव।

पुष्पांकन संख्या 143 /VI-2/2012-33(6)2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(लक्ष्मण सिंह)
अनुसचिव।

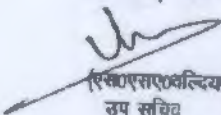
आय-व्यय प्रपत्र-15
पुनर्विनियोग 2011-12
प्रशासनिक विभाग- खेल विभाग, उत्तराखण्ड शासन

नियंत्रक अधिकारी- निदेशक, खेल निदेशालय
अनुदान सं 11 आयोजनोत्तर

देहरादून दिनांक मार्च, 2012
(धनराशि हजार ₹ में)

बजट प्राधिकरण तथा लेखासीर्षक का विवरण	मानक मदवार व्यवसायिक व्यव	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (धनराशि)	लेखासीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	अवशिष्ट
1	2	3	4	5	6	7	8
2204-खेलकूद तथा युवा सेवार्थ-00 001- निदेशन तथा प्रशासन 03- खेलकूद निदेशालय 03- गंगगाई मत्ता 10800 104-खेलकूद 03-भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाड़ियों तथा पहलवानों को वित्तीय सहायता 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता 1000 13-स्पोर्ट्स कॉलेज को अनुदान 1301-स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून को अनुदान 43-वेतन भत्ते आदिके लिए सहायक अनुदान 10000	8408 08 3191	3147 91 5783	1250 900 1026	2204-खेलकूद तथा युवा सेवार्थ-00 104- खेलकूद 03-नेहरू पर्यटनोद्योग संस्थान को अनुदान 43-वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान 3176	26176	8620 100 8874	06-नेहरू पर्यटनोद्योग संस्थान, उत्तराखण्ड में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के जनवरी/फरवरी, 2012 के वेतन एवं भत्तों तथा पेंशनरों के पेंशन भुगतान हेतु धनराशि की निम्नान्त आवश्यकता है।
योग 21800	9603	9021	3176	3176	26176	9824	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 155, 156 में उल्लिखित प्राधिकरणों का उत्तरदायित्व नहीं होता है।


(सहायक उप निदेशक)
उप सचिव

अतिरिक्त देयता उत्पन्न की जायेगी।
4- उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

5- धनराशि सभी मद में व्यय की जाय।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-3
संख्या- 93 /VI/2 /2012 2011-12
देहरादून दिनांक- 26 मार्च 2012

पुनर्विनियोग स्वीकृति।

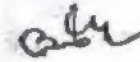
सेवा में,

महानिदेशक,
उत्तराखण्ड लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड,
ओबाला बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।

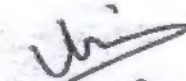
संख्या- 143 /VI/2 /2012 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नांकितको सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, खेल, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
3. वरिष्ठ निदेशक, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय।
6. गार्ड फाइल।


(जितेंद्र चन्द्र पाण्डेय)
उप सचिव, वित्त
उत्तराखण्ड शासन।

आज्ञा से


(जितेंद्र चन्द्र पाण्डेय)
उप सचिव